अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 20.12.2016

तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ का इतिहास – 70

प्र.1 किन्हीं ग्यारह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए। 11

आचार्य श्री मघवागणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) मघवागणी आचार्य पदारोहण के दिन किस–किसके डेरे में श्रमण संघ के साथ गोचरी के लिए पधारे?

(ख) ''नहीं भाई! उठ जाओ आलस न करो। अन्यथा अभी थोड़ी देर के बाद ही कहीं तुम्हें उठने की आवश्यकता हो जाएगी।'' यह कथन किसने किससे कहे?

(ग) आचार्य मघवा ने प्रातः सायं की सामान्य आलोयणा प्रतिक्रमण के बीच में किस सूत्र से पूर्व करने का निर्देश दिया?

(घ) मघवागणी का जन्म कब व किस नक्षत्र में हुआ?

(ङ) मघवागणी ने नवलसती को साध्वीप्रमुखा के पद पर कब व कहाँ नियुक्त किया?

(च) गुणस्तव की रचना किसकी स्तुती में की गई तथा इसमें कितने श्लोक हैं?

आचार्य श्री माणकगणी (किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें)

(छ) श्रमण प्रतिक्रमण के आदेश के पश्चात् बालक माणक ने किसका प्रत्याख्यान किया?

(ज) आचार्यश्री माणकगणी सर्दी का प्रतिश्याय होने पर क्या दवाई लेते थे?

(झ) बम्बई और गुजरात में तेरापंथ का बीज बोने में किस श्रावक का प्रमुख हाथ रहा?

(ञ) मुनि माणक के संस्कृत अध्ययन में किसका सहयोग रहा? उन्होंने उनके पास किसका अध्ययन किया?

(ट) माणकगणी पदासीन हुए उस समय संघ में कितने साधु साध्वियाँ विद्यमान थे?

आचार्य श्री डालगणी (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें)

(ठ) आचार्य शून्यकाल में आज्ञा व धारणा के लिए कौन–कौन से संन्तों की नियुक्ति हुई?

(ड) आचार्य डालगणी के शासनकाल में भयंकर अकाल कब पड़ा तथा उस समय उनका चातुर्मास कहाँ था?

(ढ़) मुनि जवाहरलालजी ने पुनः शास्त्रार्थ का आह्वान कहाँ किया? इसके पीछे किसका हाथ था?

(ण) डालगणी ने अपने शासनकाल में कितनी साध्वियों को दीक्षित किया?

(त) श्री डालगणी का अपनी माता से अन्तिम मिलन कब व कहाँ हुआ?

(थ) ''अंधी है क्या जो इतनी मिर्चें डाल दी।'' यह कथन किसने किसको कहा?

आचार्यश्री मघवागणी – 21

प्र.2 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) जयाचार्य द्वारा युवाचार्य नियुक्ति के पीछे क्या–क्या कारण थे?

(ख) आचार्य मघवागणी ने अजमेर में स्थानकवासी साध्वियों को दीक्षा देने से क्यों टाला?

(ग) ''आपने अनेक व्यक्तियों के घर उठा दिए।'' रावतजी के इस कथन के प्रत्युत्तर में मघवागणी ने क्या फरमाया?

प्र.3 कोई एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 6

(क) घटना प्रसंग से सिद्ध करें कि मघवागणी संस्कृत के अच्छे विद्वान थे फिर भी बातचीत के प्रसंग में वे राजस्थानी भाषा को ही अधिक महत्त्व दिया करते थे।

(ख) मघवागणी की दीक्षा में क्या–क्या बाधाएँ आईं व उनका निराकरण किस प्रकार हुआ?

प्र.4 घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि मघवागणी का बाह्य व्यक्तित्त्व जहाँ इतना उत्कृष्ट था वहाँ आन्तरिक व्यक्तित्त्व उससे भी अधिक महनीय था। 'अथवा' मघवागणी के जीवन के अन्तिम वर्षों से सम्बन्धित घटना प्रसंगों का वर्णन करें। 10

आचार्यश्री माणकगणी – 17

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए। 5

(क) बालक माणक की ''सच्ची विराग'' वृत्ति से प्रभावित होकर जयाचार्य ने उनका मार्गदर्शन कैसे किया?

(ख) माणकगणी के युग में यति शिवजीरामजी तेरापंथ की एकता और एकता पद्धति से कैसे प्रभावित हुए?

(ग) आचार्य मघवागणी ने नियुक्ति पत्र लिखने के पश्चात् मुनि माणकलालजी को कौन–कौन से कार्य सौंपे?

प्र.6 निम्न प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए – 12

(क) आचार्यश्री माणकगणी की हरियाणा यात्रा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 'अथवा' मुनि माणक के दीक्षोत्सव का वर्णन करें।

आचार्यश्री डालचन्दजी – 21

प्र.7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए – 5

(क) डालगणी ने कितने वर्षों में कितने सूत्र कंठस्थ किए? नाम लिखें।

(ख) ''आइये तेरापंथी बनकर तत्काल सुख समृद्धि एवं धन प्रतिष्ठा प्राप्त करें। यह कथन किसने किस संदर्भ में कहा?

(ग) कच्छ के प्रथम विहार यात्रा में श्री डालमुनि ने कितने चातुर्मास कहाँ–कहाँ किए?

प्र.8 कोई एक प्रश्न का 100 से 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। 6

(क) ''गुढ़ा में चातुर्मास'' घटना प्रसंग लिखें।

(ख) ''मैं तो नगण्य हूँ'' अन्तरिम काल का यह घटना प्रसंग लिखें।

प्र.9 घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि ''डालगणी आज्ञा प्रायः वासुदेव की सी आज्ञा हुआ करती थी उल्लंघन उन्हें पसंद नहीं था।'' 'अथवा' सिद्ध करें कि डालगणी का जीवन अग्निवत तेज था। 10

तुलसी प्रबोध – 21

प्र10 किन्हीं दो पद्यों को भावार्थ सहित लिखें – 12

(क) आगम सम्पादन की प्रेरणा वाला पद्य। (ख)दिल्ली रै कण–कण में अणुव्रत–गुंजार वाला पद्य।

(ग) दीक्षा में साधक केन्द्र सरकार वाला पद्य। (घ) कलकत्ता यात्रा का दूसरा पद्य।

प्र11 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) भाद्रव शुक्ल.....सिरजणहार हो।। (ख) इक्यासिय चुरु.....गणधार हो।।

(ग) आगै बढ़यो.....अन्धार हो।। (घ) ''द्विशताब्दी समारोह'' का पद्य।

(ड.) ''नए उच्छवास'' का प्रथम पद्य।

तेरापंथ प्रबोध – 9

प्र12 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) ''रूं रूं में सांवरियो बसियो'' गीत वाला पद्य।

(ख) ''निहारा तुमको कितनी बार'' गीत वाला पद्य।

(ग) ''भिक्खू दृष्टान्त तो हियड़े रो हार हो।'' पद्य लिखें।

(घ) ''बलजबरी चलै न धार्मिक कारोबार हो। पद्य लिखें।

(ड.) ''जय हो कल्लू–सुत जग में विश्रुत।'' गीत वाला पद्य लिखें।